मांगें इस प्रकार हैं:–

1. आश्वासन के अनुसार, एक करोड़ (10 मिलियन) जी.एस.एम. लाइन के जरूरी उपकरण तुरन्त क्रय करो।
2. बीएसएनएल से 3जी एवं बीडब्ल्यूए (ब्रॉडबेंड–वायरलेस एक्सेस) की शुल्क राशि तुरन्त न वसूली जावे।
3. भेदभाव समाप्त किया जावे तथा 78.2% आईडीए के मर्जर के साथ वेतन निर्धारण किया जावे।
4. 01.01.2007 के पूर्व सेवा निवृत्त होने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों की आई.डी.ए. वेतनमान पर पेंशन पुनः निर्धारण की जावे जिससे भेदभाव समाप्त हो सके।
5. आई.टी.एस. अधिकारियों के विलय के प्रकरण को तुरन्त हल किया जावे।
6. केन्द्र सरकार सभी विभागों एवं सार्वजनिक कम्पनियों को निर्देश जारी करे कि वे आवश्यक रूप से बीएसएनएल और एमटीएनएल की सेवाएं प्राप्त करें। यह निर्देश एयर इन्डिया की भांति ही जारी किया जावे।

बी एस एन एल की बिरादरी की चिन्ता का केन्द्रः–

1. बी एस एन एल मेनेजमेन्ट ने आनन–फानन में लगभग 10700 करोड़ रूपये 3जी स्पेक्ट्रम शुल्क के रूप में केन्द्र सरकार को दे दिए हैं।
2. बी एस एन एल का मेनेजमेन्ट किसी भी समय रूपये लगभग 10 हजार करोड़ बीडब्ल्यूए शुल्क के रूप में केन्द्र सरकार को देने के लिए तैयार बैठा हुआ है।
3. उपरोक्त 1 एवं 2 के कारण बी एस एन एल का खजाना खाली हो जावेगा।
4. खजाना खाली होने से बी एस एन एल के विकास की सभी सम्भावनाएं समाप्त हो जावेंगी।
5. 20 अप्रेल की हड़ताल के समझौते में संचार मंत्री महोदय के लिखित आश्वासन के अनुसार एक करोड़ (10 मिलियन) जी.एस.एम. लाइन के उपकरण तुरन्त क्रय करना थे। किन्तु बी एस एन एल के मेनेजमेन्ट ने 50 लाख (5 मिलियन) लाइन का टेन्डर फ्लोट किया है जो बी एस एन एल के विकास सम्बन्धी जरूरतों को आगामी 6 माह से अधिक पूरा नहीं करेगा। यह साजिश है।
6. बी एस एन एल का विकास न होने के कारण इसे बीमार कम्पनी घोषित कर दिया जावेगा।
7. बीमार कम्पनी घोषित होने के बाद देशी और विदेशी मगरमच्छ बी एस एन एल को गटक जावेंगे।
8. बी एस एन एल यदि गटक लिया जाता है तो, राष्ट्रीय सुरक्षा नहीं रहेगी तथा कर्मचारियों और अधिकारियों के रोजगार की सुरक्षा भी समाप्त हो जावेगी।
9. यदि बी एस एन एल का बुरा होता है तो इस देश का बुरा होना सुनिश्चित है।
10. इस प्रकार बी एस एन एल को घेरकर मारने की गम्भीर साजिश हो रही है।

हमारा संकल्प

हम इस साजिश का मुकाबला करेंगे।

शुभ कामनाओं के साथ

आपका साथी

(एस.आर.नायक)
संयोजक